फुटपाथ व्यापारियों का आयुक्त को ज्ञापन

- 218 दिन से धरना जारी, हॉकर्स झोन बनाने और जब्त सामान लौटाने की मांग
- निगम कर्मचारी पर मनमानी और लेनदेन का आरोप, कार्रवाई की मांग

उज्जैन। भारतीय मजदूर संघ से सम्बद्ध हाथ-ठेला एवं फुटपाथ व्यापारी संघ ने गुरुवार को नगर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। संघ ने पथ विक्रेता अधिनियम 2014 लागू करने, 218 दिनों से जारी अनिश्चितकालीन धरने का समाधान करने और निगम द्वारा जब्त किया गया सामान वापस लौटाने की मांग की है।

ज्ञापन में बताया गया कि सावन माह 2025 से पथ विक्रेताओं का रोजगार बंद करवा दिया गया है और 2014 के कानून का खुला उल्लंघन किया जा रहा है। आरोप है कि टीवीसी कमेटी के अध्यक्ष और नगर निगम आयुक्त ने बैठकें नहीं करवाई हैं। निचले स्तर के कर्मचारी मनमानी कर विक्रेताओं को प्रताड़ित कर रहे हैं।

बिना सीजर मेमो के जब्ती, चार माह से सामान नहीं छोड़ा: संघ ने आरोप लगाया कि 6 फरवरी 2026 को बिना सीजर मेमो के व्यापारियों का सामान जब्त किया गया। कलेक्टर की जनसुनवाई में आवेदन लगाने के बाद आयुक्त के नाम 25 रुपये का चालान तो जमा करवा लिया गया, लेकिन नोटशीट गैंग प्रभारी मोनू थनवार ऊपरी लेनदेन कर तीन-चार महीने से सामान रोके हुए है। एक्ट के अनुसार नाशवान सामान जब्ती वाले दिन और गैर-नाशवान सामान दो दिन में छोड़ने का प्रावधान है। इसके बावजूद गरीब व्यापारियों का सामान नहीं छोड़ा जा रहा है।

हॉकर्स झोन का आश्वासन रहा अधूरा

संघ ने कर्मचारी मोनू थनवार के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने, सामान छोड़ने और पथ विक्रेताओं को रोजगार के लिए हॉकर्स झोन स्थापित कर देने की मांग की है। ज्ञापन में याद दिलाया गया है कि पूर्व में भी आयुक्त ने प्रतिनिधिमंडल को हॉकर्स झोन बनाकर देने का आश्वासन दिया गया था, जिस पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ज्ञापन सौंपने के दौरान संघ के अध्यक्ष कालूराम चौहान, संजय, अर्जुन कहार, मुबारीक खान, विशाल कसेरा, सन्तोष योगी, राधा, एम. खींची, सुमित्रा चौहान, पूजा ठाकुर, माया जाट, ममता, हलीमा और लक्ष्मी उपस्थित थे।

कृषि उपज मंडी महिदपुर में धरना प्रदर्शन

- अब तक सुध नहीं ली स्थानीय प्रशासन

महिदपुर। कृषि उपज मण्डी महिदपुर परिसर में किसानों, तुलावटी, हम्मालों के लिए शुध्द एवं शीतल पेयजल की व्यवस्था नहीं होने तथा इस संबंध में अधिकारियों को अवगत कराने पर न तो संतोषजनक जवाब दिया गया। जब आवाज को बुलंद करने पर पुलिस के माध्यम से हम्मालों, तुलावटियों के लीडर के साथ मारपीट कर प्रकरण दर्ज करने की धमकी देने पर हंगामा खड़ा हो गया और मंडी सचिव, प्रांगण अधिकारी एवं पुलिस थाना प्रभारी को निलंबित करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही अनिश्चित कालीन हड़ताल पर हम्माल बैठ गए।

मामला महिदपुर स्थित कृषि उपज मण्डी का है। बता दें कि अभी भीषण गर्मी के बीच इस प्रकार के धरना प्रदर्शन से किसी भी अनहोनी से इंकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन स्थानीय प्रशासन का एक भी नुमाइंदा वहां पर आकर शांति पूर्वक धरना प्रदर्शन कर रहे मंडी के हम्मालों की सुध नहीं ले रहा है। जबकि इस संबंध में विधायक दिनेश जैन बोस ने सचिव और टीआई को निलंबित करने की मांग इस बाबत की थी उसकी भी सुध नहीं ली गई।

एक नजर में

त्रिवेदी अभा औदिच्य कार्यकारिणी में सदस्य बने

घट्टिया। अखिल भारतीय औदीच्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पटेल सत्यनारायण त्रिवेदी के निर्देशानुसार महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री रवि ठक्कर ने क्षेत्र के कालूखेड़ी निवासी जगदीश नारायण त्रिवेदी को अखिल भारतीय औदिच्य महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सदस्य मनोनीत किया है। त्रिवेदी की नियुक्ति से क्षेत्र में खुशी की लहर है।

दो दिवसीय महामहोत्सव का आयोजन

महिदपुर। मंडल जैन धर्म के सोलहवें तीर्थंकर शांतिनाथ प्रभु के जन्म एवं दीक्षा कल्याणक पर शांतिदूत पद्मश्री से अलंकृत वर्तमान गच्छाधिपति नित्यानंद सूरिश्वर की पावन प्रेरणा से एवं सागर समुदाय के आचार्य नरदेवसागर सूरिश्वर अज्ञानुवर्ती शीलरेखा एवं विश्वविदा आदि ठाना 7 सात के पावन सानिध्य में सर्व शांतिदायक शांतिनाथ प्रभु का महान प्रभाविक, चमत्कारित, सर्व रोगनाशक, समृद्धिदायक विश्व शांति दायक शांतिधारा अभिषेक का आयोजन आज रखा गया है। श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक तपागच्छ श्री संघ के अध्यक्ष संजीव मंडलेचा सोनी, सचिव ललित गार्डी एवं समस्त संचालक मंडल ने इस भव्य आयोजन में जुड़ कर धर्मलाभ लेने की विनती समस्त समाजजनों से की है। इस आयोजन के अंतर्गत पूरे सकल जैन संघ में लड्डू की प्रभावना भी वितरित की जाएगी। इस महामहोत्सव में प्रथम दिन शांतिधारा अभिषेक एवं द्वितीय दिवस पर गोशाला में गो सेवा आदिनाथ ग्रुप के माध्यम से एवं अनुकम्पा दान नवरत्न अनुकम्पा मंडल के माध्यम से किया जाएगा। उक्त जानकारी संघ सचिव ललित गार्डी ने दी।

धरना प्रदर्शन के दौरान अध्यक्ष की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

महिदपुर। मंडी में मूलभूत सुविधा ना मिलने पर मंडी सचिव को अवगत कराना हम्माल तुलावटी संघ के अध्यक्ष को महंगा पड़ गया। सचिव को जब किसानों और हम्माल के लिए शुद्ध पेयजल और छाव की व्यवस्था करने के लिए अवगत कराया तो मंडी सचिव ने हम्माल तुलावटी संघ के अध्यक्ष बाबूलाल जोगचंद को थाना प्रभारी से शिकायत करवाकर पिटवा दिया। इस बात को लेकर हम्माल तुलावटी संघ ने वहां पर धरना प्रदर्शन कर दिया। इस दौरान संघ के अध्यक्ष की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया।

लादूनाथ महाराज के बरसी महोत्सव का शुभारंभ

इंदौर. ज्योष्ठ कृष्ण एकादशी के अवसर पर महाप्रचंड गुरू आश्रम माली मोहल्ला एमओजी लाइंस का स्थापना दिवस एवं तपोनिष्ठ संत लादूनाथ महाराज के 32वें बरसी महोत्सव का शुभारंभ बुधवार को सुबह आश्रम के महंत रामकिशन महाराज के सानिध्य में अखंड रामायण पाठ के साथ हुआ. गुरू आश्रम न्यास समिति ट्रस्ट की ओर से पुजारी योगेश सुईवाल, सत्यनारायण जाट एवं विजय अग्रवाल ने बताया कि स्थापना दिवस के अवसर पर आश्रम परिसर में आकर्षक पुष्प एवं विद्युत सज्जा की गई, जबकि संत लादूनाथ महाराज के मंदिर में उनकी प्रतिमा का भी आकर्षक श्रृंगार किया गया. सुबह सैकड़ों श्रद्धालुओं ने महंत रामकिशन महाराज के सानिध्य में अखंड रामायण पाठ के पूर्व मंदिर स्थित हनुमानजी और अन्य देवी-देवताओं का अभिषेक-पूजन किया. गुरुवार को होने वाले महाप्रसादी कार्यक्रम के लिए भट्टी पूजन की रस्म महंत रामकिशन महाराज के सानिध्य में सम्पन्न हुई. भक्तों ने संत लादूनाथ महाराज के जयघोष के बीच भट्टी पूजन किया. अखंड रामायण पाठ में रोहित सियोटा, दामोदर सुईवाल, बंकटलाल पांड्या, रमेश खरवड, रामलाल संवारकरवाल, नीरज जैन सहित अनेक श्रद्धालुओं ने अपनी भागीदारी दर्ज कराई. बरसी का मुख्य महोत्सव गुरुवार को शाम 5 बजे से प्रारंभ होगा. इसके पूर्व सुबह 10 बजे अखंड रामायण पाठ का विराम होकर पूर्णाहुति होगी. संध्या को भी आश्रम एवं मंदिर पर आकर्षक पुष्प बंगला श्रृंगारित किया जाएगा. शाम 7 बजे से भजन, सत्संग का आयोजन प्रारंभ होगा, जिसमें मालवा, निमाड़ एवं मारवाड़ से आए अनेक संत-महंत सानिध्य प्रदान करेंगे.

पूर्वमुखी हनुमान मंदिर में छप्पन भोग व महाआरती

इंदौर. पूर्वमुखी हनुमान मंदिर में धार्मिक आस्था और भक्ति का भव्य संगम देखने को मिला. प्रेस क्लब के पास स्थित मंदिर परिसर में भगवान हनुमान जी महाराज का आकर्षक एवं दिव्य श्रृंगार किया गया. इस अवसर पर छप्पन भोग अर्पित कर विशाल भंडारे और महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसादी ग्रहण की. मुख्य पुजारी पंडित नवीन शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के एक दिन पूर्व रात्रि में रामायण पाठ एवं सुंदरकांड का आयोजन किया गया, जिसमें भक्तजन देर रात तक भक्ति रस में डूबे रहे। पूरे मंदिर परिसर को आकर्षक सजावट और रोशनी से सजाया गया था. आयोजन में चंदा राय, हरीश कपूर, अनिल पिपले, सचिन गंगे, आकाश मीणा, गोपाल वर्मा, मनोहर जी ,आशुतोष चौबे, आरती भदौरिया, संतोष भैया, दिलीप खींची, पंकज लाड, रंजीत जी सहित मंडल समिति के सभी कार्यकर्ताओं की विशेष उपस्थिति रही. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पुष्यमित्र भार्गव उपस्थित रहे. साथ ही चंद्रभान सिंह सोलंकी मंडल अध्यक्ष एवं महामंडलेश्वर रामगोपाल दास महाराज के मार्गदर्शन में पूरा आयोजन भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ. महाआरती के बाद श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसादी ग्रहण कर धर्म लाभ लिया.

नवोदय विद्यालय कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम श्रेष्ठ रहा

घट्टिया। जवाहर नवोदय विद्यालय घट्टिया ने सीबीएसई कक्षा 12वीं परीक्षा परिणाम 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले में अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता का एक बार फिर परिचय दिया है। विद्यालय का कुल परीक्षा परिणाम 98.48 प्रतिशत रहा। कुल 66 विद्यार्थियों में से 65 विद्यार्थी सफल घोषित हुए। इस शानदार उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी और उत्साह का माहौल है।

विद्यालय की प्राचार्या किरण महस्के ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि नवोदय विद्यालय सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। विज्ञान संकाय में वेदांश पंड्या ने 86.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम, रितुंजय सुनेहरिया 86 प्रतिशत ने द्वितीय, श्यामपाल सिंह सोलंकी 83.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। वाणिज्य संकाय में तनमय शर्मा ने 88.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। कुंदन चौबे 85.8 प्रतिशत द्वितीय, शिवानी चौधरी 77.2 प्रतिशत अंक अर्जित कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय नियमित अध्ययन, अनुशासन तथा शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया। विद्यालय के शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों ने पूरे वर्ष निरंतर मेहनत की और विद्यालय द्वारा आयोजित अतिरिक्त कक्षाओं, अभ्यास परीक्षाओं एवं मार्गदर्शन सत्रों का पूरा लाभ उठाया। विद्यालय में सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण एवं आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के कारण विद्यार्थियों का आत्मविश्वास निरंतर बढ़ा है। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी मनाई तथा शिक्षकों एवं विद्यालय प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। जवाहर नवोदय विद्यालय, घट्टिया का यह शानदार परीक्षा परिणाम आने वाले वर्षों में अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। विद्यालय प्रबंधन ने आशा व्यक्त की है कि भविष्य में भी विद्यार्थी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

मानवता, सेवा और समर्पण ही है सच्ची भक्ति

- उज्जैन संत निरंकारी भवन में बाबा हरदेव सिंह को अर्पित किए गए श्रद्धा सुमन

उज्जैन। संत निरंकारी मिशन द्वारा युगदृष्टा बाबा हरदेव सिंह की स्मृति में उज्जैन स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में भावपूर्ण सत्संग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देवास से आए मुखी किशन लाल ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के पावन संदेशों और शिक्षाओं को साझा किया।

मीडिया सहायक विनोद गज्जर ने बताया कि समालखा (दिल्ली) स्थित आध्यात्मिक स्थल पर सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित के सान्निध्य में हुए मुख्य समागम के संदेशों को उज्जैन की संगत के बीच रखा गया। सतगुरु माता सुदीक्षा ने अपने आशीर्वचन में कहा कि बाबा हरदेव सिंह का सम्पूर्ण जीवन मानवता, सेवा और प्रेमा भक्ति का एक दिव्य उदाहरण रहा है। हमारा जीवन ऐसा होना चाहिए जिसका हर पल इंसानियत, करुणा और मानवीय मूल्यों को दर्शाए। माता जी ने संदेश दिया कि यदि किसी के जीवन में दुख या संघर्ष है, तो हमारा कर्तव्य उसे बढ़ाना नहीं, बल्कि प्रेम और सहयोग से उसे शांत करना है। ब्रह्मज्ञान प्राप्ति के बाद व्यक्ति का जीवन केवल व्यक्तिगत सीमाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह पूरी मानवता की सेवा और उत्थान का माध्यम बन जाता है। सच्ची सेवा दिखावे से दूर, विनम्रता और निस्वार्थता से परिपूर्ण होनी चाहिए। अमर संत अवनीत जी के समर्पित जीवन का उल्लेख करते हुए बताया गया कि सच्चा समर्पण वही है जिसमें सेवा का भाव केवल विचारों में नहीं, बल्कि हमारे व्यवहार और प्राथमिकताओं में भी स्पष्ट दिखाई दे। पारिवारिक और सामाजिक जिम्मेदारियों को निभाते हुए भी पूर्ण निष्ठा से भक्ति की जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान विचारकों और कवियों ने भी बाबा की दिव्य शिक्षाओं और उनके सौम्य व्यक्तित्व को याद करते हुए अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

अक्षत इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने रचा सफलता का नया इतिहास

- मानविकी संकाय में संस्कृति गुप्ता जिले में प्रथम एवं वाणिज्य में ईशा लड्ढा द्वितीय
- विगत पांच वर्षों से जिले की प्रावीण्य सूची में विद्यालय का निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन

उज्जैन। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 12वीं बोर्ड परीक्षा के घोषित परिणामों में अक्षत इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता का नया इतिहास रचा है। विद्यालय की मानविकी संकाय की मेधावी छात्रा संस्कृति गुप्ता ने 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम स्थान अर्जित किया है। वहीं, वाणिज्य संकाय की प्रतिभाशाली छात्रा ईशा लड्ढा ने 96.4 प्रतिशत अंकों के साथ जिले में द्वितीय स्थान हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया है।

मानविकी संकाय की ही प्रियंशी हाड़ा ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट सफलता अर्जित की। इसके अलावा अन्य विद्यार्थियों ने भी श्रेष्ठ परिणाम दिए हैं। मानविकी संकाय की शिवी भारती ने 89.4 प्रतिशत, नमामि अथनेरे ने 89 प्रतिशत तथा हरलीन भट्ट ने 87 प्रतिशत अंक अर्जित किए। विज्ञान संकाय में श्रेया गौतम ने 88 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। वाणिज्य संकाय में रक्षिता जैन ने 87 प्रतिशत एवं हर्ष शर्मा ने 85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अक्षत इंटरनेशनल स्कूल विगत पांच वर्षों से लगातार जिले की प्रावीण्य सूची में अपना स्थान बनाता आ रहा है। यह निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक शिक्षण पद्धति और अनुशासित वातावरण को दर्शाता है। विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों की इस सफलता का श्रेय उनके कठिन परिश्रम, नियमित अध्ययन और शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन को दिया है। विद्यार्थियों ने भी अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के आशीर्वाद और शिक्षकों की प्रेरणा को दिया।

20 अग्नि धूनियों के बीच अघोर साधना

उज्जैन। 44 डिग्री की भीषण गर्मी के बीच शिप्रा नदी के समीप स्थित चक्रतीर्थ श्मशान घाट पर 21 दिवसीय तपस्या खड़ेश्वरी अघोरी बाबा योगी बिष्णु नाथ महाराज द्वारा लगातार की जा रही है।

दुर्लभ एवं कठोर अष्टधूनी तपस्या इन दिनों श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यह आयोजन अघोर अखाड़ा एवं श्री सेनापति काल भैरव गौ सेवा संगठन, उज्जैन के तत्वावधान में संपन्न हो रहा है। जैसे-जैसे गर्मी का तापमान बढ़ रहा है, वैसे-वैसे साधना की कठिनता भी बढ़ती जा रही है। साधक अपने चारों ओर अग्नि धूनियां प्रज्वलित कर कठोर तपस्या कर रहे हैं। शुरुआत आठ अग्नि धूनियों से हुई थी, जो अब बढ़कर 20 धूनियों तक पहुंच चुकी है। अघोरियों की कापालिक अघोर अष्टधूनी तपस्या 21 दिवसीय तांत्रिक अनुष्ठान मानी जाती है। साधक कपाल खोपड़ी पर तंत्र साधना करते हैं, मुर्दों की ताजा भस्म अर्पित करते हैं तथा मानव खोपड़ी में ही भोजन ग्रहण करते हैं। संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री रवि चौधरी ने बताया कि सनातन धर्म एवं गौ माता की रक्षा के संकल्प के साथ यह 21 दिवसीय यज्ञ एवं तपस्या आयोजित की जा रही है। प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक साधक अग्नि धूनियों के मध्य बैठकर एवं खड़े रहकर कठोर साधना करते हैं। नौवां स्थान सूर्य देव को समर्पित माना जाता है। प्रचंड गर्मी के बीच की जा रही यह तपस्या अत्यंत कठिन मानी जाती है। यह तपस्या खड़ेश्वरी अघोरी बाबा योगी बिष्णु नाथ महाराज एवं योगी सोमवार नाथ महाराज द्वारा की जा रही है, जो विश्व प्रसिद्ध तांत्रिक अघोरी बाबा श्री योगी बम बम नाथ महाराज के शिष्य हैं। योगी बिष्णु नाथ महाराज पिछले कई वर्षों से 12 वर्षीय अखंड खड़ेश्वरी अघोर तपस्या में लीन हैं और निरंतर खड़े रहकर साधना कर रहे हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अष्टधूनी तपस्या पंचतत्व अग्नि, जल, पृथ्वी, वायु और आकाश को साक्षी मानकर शरीर एवं मन को साधने, आत्म-साक्षात्कार तथा तांत्रिक सिद्धियों की प्राप्ति के उद्देश्य से की जाती है। यह तपस्या भगवान काल भैरव, अष्टभैरव एवं परम पूज्य योगी बाबा बम बम नाथ महाराज को समर्पित है। चक्रतीर्थ श्मशान घाट स्थित गुरुदेव की तपोस्थली पर चल रहे इस आयोजन में देश-विदेश से साधु-संत, महंत एवं श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है। श्रद्धालु संतों का आशीर्वाद प्राप्त कर धर्म एवं साधना के इस अद्भुत स्वरूप का अनुभव कर रहे हैं। भीषण गर्मी के बीच गुरु महाराज द्वारा की जा रही कठोर साधना श्रद्धालुओं के लिए आस्था और आश्चर्य का विषय बनी हुई है। यह विशेष धार्मिक आयोजन 29 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होकर 19 मई 2026 तक चलेगा।

एक नजर प्रथम खलीफा स्व. नंदकिशोर केवलिया के निधन के बाद 7 माह से रिक्त था पद, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ समारोह

पं. लव मेहता का द्वितीय खलीफा के रूप में पट्टाभिषेक

उज्जैन। छोटा सराफा जहाज गली स्थित सुप्रसिद्ध श्री गणेश शंकर विद्यार्थी मंडल के प्रांगण में स्थापित अकल चबूतरा एवं खाऊं मंडली परिवार ने पं. लव मेहता को अपना नया और द्वितीय खलीफा घोषित किया है। 13 मई की शाम को आयोजित एक गरिमामय समारोह में उनका विधि-विधान से पट्टाभिषेक किया गया। उल्लेखनीय है कि यह संस्था लंबे समय से सामाजिक, रचनात्मक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से मानवीय सेवा कार्यों में सक्रिय हैं।

शुभ मुहूर्त में सर्वसम्मति से लिया गया निर्णय: संस्था के प्रथम खलीफा और सभी के मार्गदर्शक वरिष्ठ समाजसेवी स्व. नंदकिशोर केवलिया नंदूभाऊ का विगत 13 अक्टूबर 2025 को देवलोकगमन हो गया था। उनके निधन के बाद से यह पद पिछले सात माह से रिक्त था। 13 सितंबर को स्व. केवलिया का जन्मदिन भी होता है। सात माह पूर्ण होने और आगामी अधिकमास को ध्यान में रखते हुए 13 मई के शुभ मुहूर्त में सभी सदस्यों की सर्वसम्मति से सेवाभावी और सक्रिय सदस्य पं. लव मेहता को द्वितीय खलीफा के रूप में गादीपति घोषित किया गया।

समारोह में इनकी रही उपस्थिति: इस अवसर पर बड़ी संख्या में सदस्य सपरिवार उपस्थित रहे। इनमें प्रमुख रूप से सुनील व्यास-लता व्यास, अविनाश चतुर्वेदी-ममता चतुर्वेदी, जुगल केवलिया-किरण केवलिया, अरुण केवलिया-आशा केवलिया, अक्षय जैन और उदयवीर सिंह चौहान शामिल थे।

चल समारोह के साथ शुरू हुआ आयोजन

मंडली के मीडिया प्रभारी आनंद पुरोहित और अविनाश चतुर्वेदी ने बताया कि समारोह की शुरुआत समीप स्थित श्री भैरव महाराज के मंदिर में पूजन-अर्चन के साथ हुई। इसके पश्चात चल समारोह के रूप में सभी सदस्य भगवान गणपति के मंदिर पहुंचे और दर्शन-पूजन किया। तदुपरांत जहाज गली स्थित अकल चबूतरे के तख्त पर प्रथम खलीफा स्व. नंदकिशोर केवलिया के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की गई। युवा आचार्यों के स्वस्तिवाचन के बीच पं. लव मेहता का पुष्पमाला, मोतियों की माला, इत्र, गुलाब की पंखुड़ियों और केसरयुक्त जल से पट्टाभिषेक किया गया। अंत में उन्हें शॉल, श्रीफल और अंग वस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने भोजन प्रसादी ग्रहण की।